|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 14. September | | | |
| **Fest Kreuzerhöhung** | | | |
| Erste Lesung: Num 21,4-9; Zweite Lesung: Phil 2,6-11; Evangelium: Joh 3,13-17 | | | |
| Eröffnung: | GL 299, 1+4-6 | | Der König siegt, sein Banner glänzt |
|  | GL 749, 1+4+6+7 | | Des Königs Banner |
| Kyrie: | GL 163, 1 | | Herr Jesus |
|  | GL 154 | | Herr, erbarme dich |
| Gloria: | GL 170 | | Allein Gott in der Höh sei Ehr |
|  |  | |  |
| Antwortgesang: | Psalm 78,1-2.34-39 | |  |
|  | Kehrverse: | |  |
|  | GL 296 | | Im Kreuz ist Heil |
|  | GL 517 | | Der Herr vergibt die Schuld |
|  | Oder | |  |
|  | GL 560, 1+5 | | Christus Sieger |
|  |  | | |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 1 |  | |
|  | Vers: |  | |
|  | *Christus war für uns gehorsam bis zum Tod,* | | |
|  | *bis zum Tod am Kreuz.* | | |
|  | *Darum hat ihn Gott über alle erhöht* | | |
|  | *und ihm den Namen verliehen, der größer ist als alle Namen.* | | |
|  | **Oder** | | |
|  | *Wir beten dich an, Herr Jesus Christus, und preisen dich;* | | |
|  | *denn durch dein heiliges Kreuz hast du die Welt erlöst.* | | |
|  |  | | |
| Credo: | Sprechen | | |
|  |  |  | |
| Gabenbereitung: | GL 187, 1+2 | Wir weihn der Erde Gaben | |
| Sanctus: | GL 194 | Heilig | |
| Agnus Dei: | GL 747 | Gottes Lamm, Herr Jesu Christ | |
|  | GL 203 | O Lamm Gottes unschuldig | |
|  | GL 497, 5 | Denkmal, dass uns mahnet | |
|  |  |  | |
| Danksagung: | GL 772, 1+2 | Gelobt sei Jesus Christus | |
|  | GL 213, 1+2 | O wunderbare Speise | |
|  | GL 211 | Wir rühmen dich König | |
| Schluss: | GL 294, 1+4+8+9 | O du hochheilig Kreuze | |
|  | GL 270, 1-3 | Kreuz, auf das ich schaue | |
|  | GL 297, 1-4 | Wir danken dir, Herr Jesu Christ | |
|  | GL 359, 1-4 | O selger Ursprung | |
|  | GL 532 | Christi Mutter | |